

अजनबीपन पुं. (अ.) अजनबी होने की स्थिति या भाव, अपरिचितता।

अजन्म वि. (तत्.) जिसका जन्म न हुआ हो, जन्मरहित, अनादि दे. अजन्मा पु. (तत्.) जन्म का अभाव, जन्म का न होना।

अजन्मा वि. (तत्.) 1. जिसका जन्म न हुआ हो, जन्म-रहित 2. जो जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो 3. अनादि, नित्य 4. परमात्मा 5. आत्मा।

अजन्य वि. (तत्.) जो जनन अर्थात् पैदा करने के योग्य न हो 2. जो समाज के प्रतिकूल हो 3. अकरणीय।

अजपा वि. (तत्.) जिसका उच्चारण न किया गया हो योग. वह जप जो श्वास प्रश्वास के साथ 'सोहम्' या 'ओउम्' के रूप में स्वतः होता है, जैसे- अजपा जाप।

अजब वि. (अर.) विचित्र, अनोखा, अनूठा, विलक्षण, आश्चर्यजनक पुं. (तद्.) अचंभा, अचरज।

अजमत पुं. (अर.) 1. प्रभुत्व, प्रताप, शान, महत्व 2. चमत्कार 3. बड़प्पन, प्रतिष्ठा।

अजमाइश पुं. (फा.) दे. आजमाइश।

अजमानती (अर.) (ऐसा जुर्म) जिसकी जमानत लेना संभव न हो। non-bailable

अजमानती अपराध पुं. [अर.+तत्.] ऐसा अपराध जिसमें जमानत निषिद्ध हो।

अजमाना पुं. (तत्.) दे. आजमाना।

अजमुख वि.पुं. (तत्.) 1. बकरे का मुख, बकरे के मुख वाला, बकरमुँह 2. दक्ष प्रजापति का एक नाम, दक्ष के द्वारा यज्ञ में शिव का अपमान किए जाने पर सती के देहत्याग के बाद वीरभद्र ने दक्ष के यज्ञ का ध्वंस किया और उसका सिर काट डाला, बाद में शिव की आज्ञानुसार उसे पुनः जीवित करने के लिए उसके गले पर बकरे का सिर लगाया गया।

अजमुखी वि. (तत्.) बकरी के मुख वाली स्त्री. एक राक्षसी जिसे अशोक वाटिका में सीता की देख-रेख हेतु रखा गया था।

अजय वि. (तत्.) 1. अजेय, जिसे जीता या पराजित न किया जा सके स्त्री. (तत्.) पु. पराजय पुं. (तत्.) विष्णु।

अजया स्त्री. (तत्.) 1. अपराजेया 2. भांग 3. दुर्गा की एक सखी का नाम 4. माया।

अजर वि. (तत्.) 1. जरा रहित, जो बूढ़ा न हो 2. नाशरहित 3. क्षयरहित पुं. (तत्.) 1. देवता 2. परब्रह्म।

अजरद्रुम पुं. (तत्.) वह पेड़ जो बूढ़ा न हो, या नष्ट न हो अर्थात् कल्पवृक्ष, अक्षयवट।

अजरा वि. (तत्.) 1. जिसे जरा सा बुढ़ापा न आए स्त्री. 2. घृतकुमारी, घीकुँआर 3. छिपकली 4. प्रकृति।

अजराइल वि. (तद्.) 1. जो जीर्ण न हो, जो पुराना न पड़े 2. चिरस्थायी 3. निर्भय, निडर, निःशंक 4. बलवान, शक्तिशाली।

अजरामर वि. (तत्.) जो अजर और अमर हो।

अजल स्त्री. (अर.) 1. मृत्यु, मौत 2. समय वि. जलरहित, निर्जल।

अजवाइन स्त्री. (तद्.) दे. अजवायन।

अजवायन स्त्री. (तद्.) 1. एक औषधीय गुप का पौधा जिसके दाने मसाले में काम आते हैं, यवनिका, यवानी।

अजवाह पुं. (तत्.) कच्छ, काठियावाड़ का प्राचीन नाम।

अजस पुं. (तद्.) दे. अयश, अपकीर्ति।

अजसी वि. (तद्.) अयशी, जिसके भाग्य में यश प्राप्त करना न लिखा हो, यशहीन, जिसकी अपकीर्ति हो, बदनाम।

अजस्र क्रि.वि. (तत्.) निरंतर, हमेशा, लगातार, सतत, जैसे- अजस्र धारा वि. अविच्छिन्न, अनवरत, जैसे- अजस्र वाणी।

अजस्रता स्त्री. (तत्.) अजस्र होने का भाव या क्रिया, नैरंतर्य।

अजहद वि. (फा.) बेहद, अत्यधिक, असीम, अपार।